HARYANA STATE S.A.S. EXAMINATION PART-I

PRECIS AND DRAFTING (English & Hindi) June 1989

(Without the aid of books)

Time allowed: 3 Hours Max. Marks:100

Q. 1 Prepare a draft letter from the Chief Secretary to all Heads of Departments, detailing general guidelines for annual inspections of their field offices. (200 words) **(20 marks)**

Q. 2 Frame sentences using the following phrases:

i. to stand for
ii. to call on
iii. in view of
iv. derive from
v. in favour of **(5 marks)**

Hem Sharma Classes: 9991500264

Q. 3 Report the following in indirect speech:

i. The teacher said to him, “Tell me about what you have been doing."
ii. The Under Secy. Said, “Why did you not put up this urgent file yesterday?"
iii. Seema said, “How I wish today had been a holiday."
iv. The clerk said to her, “I am sorry I cannot give you a copy of the order today."
v. The Principal said to me, “You should have taught your brother to be more responsible."

Q. 4 Translate 20 of the following words into Hindi:

1	Countersign	2	Expunge
3	Expiry	4	Secondary Education
5	Secrecy	6	Vocational
7	Watch and ward	8	Chief Fire Officer
9	Economist	10	Library Science

11	Intention	12	Accused
13	Annual Administrative report	14	Registered
15	Recruitment	16	Qualification
17	Refugee	18	State guest
19	Inspection	20	Starred question
21	Officer in charge	22	Judge
23	Chief Conservator of Forests		

(20 marks)

Q. 5 निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं की ओर से सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के नाम लिखे जाने वाले अर्धसरकारी पत्र का प्रारूप प्रस्तुत करें, जिसमें मलेरिया की रोकथाम के लिए पग उठाने के निर्देश दिए गए हो। (200 शब्दों में) **(20 अंक)**

Hem Sharma Classes: 9991500264

Q. 6. निम्नलिखित परिच्छेद का सारांश (precis) बनाइए जोकि मूल का एक तिहाई भाग हो और उसे उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए :

हम स्वतंत्रता की बात करते हैं, लेकिन जब तक आर्थिक स्वतंत्रता न हो, तब तक राजनीतिक स्वतंत्रता हमें बहुत आगे नहीं ले जा सकती । वास्तव में, एक भूखे आदमी के लिए या एक बहुत गरीब देश के लिए स्वतंत्रता का कोई मतलब नहीं रहता । एक नये देश को, एक नए राज्य को, जिसने कि अभी हाल में अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की हो अपनी स्वतंत्रता की रक्षा पूरी सावधानी से करनी चाहिए । यह ठीक ही कहा जाता है कि स्वतंत्रता के लिए निरंतर चौकसी का मूल्य चुकाना होता है । हमें इसे केवल राजनीतिक करें । हम उधार में प्राप्त रुपयों पर अधिक समय तक नहीं रह सकते, उसके लिए साख होनी चाहिए । हमें में वह शक्ति होनी चाहिए कि उस धन को उचित दिशा में लगा सके । इन सब के लिए उत्पादन, वह भी तात्कालिक वर्तमान में उत्पादन की आवश्यकता है, जिसमें हम अपनी सबसे बड़ी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें, जिससे हम विकास संबंधी उत्पादक योजनाओं में लगाने के लिए कुछ बचा सकें । इसलिए हम उत्पादन की बुनियादी आवश्यकता पर लौटकर आते हैं । हमें अपना उत्पादन बढ़ाना चाहिए, जिससे कि हमारे पास काफी सम्पत्ति हो जाए और उचित आर्थिक योजना द्वारा हम उसका ऐसा वितरण करें कि वह करोड़ों व्यक्तियों तक विशेषकर, सर्वसाधारण मनुष्यों तक पहुंच सके। तब न केवल करोड़ों व्यक्ति

समृद्ध होंगे, बल्कि देश सम्पत्तिशाली समृद्ध और शक्तिशाली होगा । उत्पादन के लिए निरंतर और कठिन मेहनत की आवश्यकता है । हम चाहते हैं कि हमारे खेतों से, पुरानी धारा से और कारखानों से सम्पत्ति का एक नया निकले, जो देश के करोड़ों व्यक्तियों तक पहुंचता रहे, जिससे कि हम आत्मनिर्भर भारत के संबंध में अपने स्वप्नों को पूरा हुआ देख सकें । **(30अंक)**

Hem Sharma Classes: 9991500264